>

Title: Need to include Gorakhpur city under "Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission" and also to sanction funds for development of basic infrastructure therein.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदय, सबसे पहली बात तो यह है की जीरो आवर बहुत महत्वपूर्ण है इसमें संसद सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हैं और कैबिनेट मंत्री से अपेक्षा रखते हैं कि वे यहां रहकर उस बात को सुनें और प्रापर जवाब दें। अभी यहां कोई कैबिनेट मंत्री मौजूद नहीं है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि चेयर इस बारे में सरकार को निदेश जारी करे।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): आपकी बात को यथावत संबंधित मंत्री तक पहुंचा दिया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ: सदन का नियम है कि कोई एक कैबिनेट मंत्री हर समय उपस्थित रहे। जीरो आवर या रूल 377 में जो मुद्दे उठाए जाते हैं उनका प्रापर जवाब माननीय सदस्यों को मिलना चाहिए जो नहीं मिलता है।

महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। उत्तर प्रदेश आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश की आबादी 21 करोड़ है। इसमें 14 महानगर ऐसे हैं जिनकी आबादी दस लाख से ऊपर है और लगभग पांच लाख की आबादी से ऊपर 20 नगर हैं। गोरखपुर उत्तर प्रदेश का प्रमुख महानगर है। जनपद की आबादी लगभग 42 लाख है और वर्तमान में इस महानगर में 12 लाख आबादी निवास करती है। यहां विश्व प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर हैं। यहां गीता प्रैस, विश्वविद्यालय, मेडिकल और इंजीनियरिंग कालेज, पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, एयर फोर्स स्टेशन, सशस्त्र सीमा बल का क्षेत्रीय मुख्यालय, गोरखा रेजीमेंट का भर्ती केंद्र, दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र के साथ केंद्र और प्रदेश सरकार के कई कार्यालय संचालित होते हैं। इस कारण यह अत्यंत व्यस्त महानगर है लेकिन यहां आबादी के अनुसार बुनियाद सुविधाओं का नितांत अभाव है। नियमित साफ सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, ड्रेनेज, सीवेज की व्यवस्था, अवशिष्ट प्रबंधन, सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण और स्ट्रीट लाइट आदि ढांचागत विकास की बुनियादी सुविधाएं जो एक नगरीय क्षेत्र में होनी चाहिए, नहीं होने के कारण यह अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र है। जबकि गोरखपुर महानगर पर केवल गोरखपुर जनपद और कमिश्नरी का ही भार नहीं है अपितु पड़ोसी राज्य बिहार और पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल की तराई की लगभग पांच करोड़ की आबादी का शिक्षा, व्यापार और स्वास्थ्य और रोजगार का भी भार है। इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध केंद्र कुशी नगर, सारनाथ, लुम्बिली, श्रावस्ती आदि का रास्ता गोरखपुर से सभी जगह जाता है। यहां लाखों देशी और विदेशी पर्यटक हर साल आते हैं।

मेरा अनुरोध है कि पांच लाख की आबादी के प्रत्येक कस्बे को भारत सरकार ने जेएनएनयूआरएम के तहत चयन करके ढांचागत विकास के बारे में घोषणा की थी। गोरखपुर की आबादी लगभग 12 से 15 लाख है लेकिन अब तक इसका चयन नहीं हुआ है। यह राजनैतिक भेदभाव है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि गोरखपुर महानगर का चयन जेएनएनयूआरएम के तहत करके ढांचागत विकास के लिए आवश्यक धनराशि स्वीकृत करने का कष्ट करें।